

पयोधन पुं. (तत्.) ओला।

पयोधर पुं. (तत्.) 1. स्तन 2. बादल 3. नगरशोभा 4. नारियल 5. कसेरू 6. तालाब, तड़ाग 7. गाय का थन 8. आक, मदार 9. ईख 10. पर्वत, पहाड़ 11. ऐसा पौधा जिसके तने या पत्ते को तोड़ने पर दूध जैसा तरल पदार्थ निकले 12. दोहा छंद का एक भेद (ग्यारहवाँ भेद) 13. छप्पय छंद का एक भेद (सत्ताइसवाँ भेद) 14. समुद्र।

पयोधि पुं. (तत्.) समुद्र।

पयोधिक पुं. (तत्.) समुद्रफेन।

पयोनिधि पुं. (तत्.) समुद्र।

पयोमुख वि. (तत्.) दूधपीता (बच्चा), दूधमुँहा।

पयोमुच पुं. (तत्.) 1. बादल 2. मोथा।

पयोर पुं. (तत्.) खैर का पेड़।

पयोराशि पुं. (तत्.) 1. समुद्र 2. जलराशि।

पयोवाई पुं. (तत्.) 1. वादल, मेघ 2. मोथा।

पयोष्णी स्त्री. (तत्.) विंध्याचल से निकलने वाली एक पुरानी नदी, जो दक्षिण की ओर प्रवाहित होती है।

पयोष्णीजाता पुं. (तत्.) सरस्वती नदी।

परंच अव्य. (तत्.) 1. और भी 2. तो भी, परंतु, लेकिन।

परंज पुं. (तत्.) 1. कोल्हू, जहाँ तेल पेरा जाता है 2. फेन 3. इंद्र का खड्ग।

परंजन पुं. (तत्.) वरुण, पश्चिम दिशा का स्वामी।

परंजय पुं. (तत्.) 1. शत्रु को जीत लेने वाला 2. वरुण का एक नाम।

परंजा स्त्री. (तत्.) उत्सवों में बजने वाले उपकरणों या वाद्ययंत्रों की ध्वनि।

परंतप वि. (तत्.) 1. शत्रुओं को ताप देने वाला, उन्हें कष्ट पहुँचाने वाला, दुःख देने वाला 2. जितेंद्रिय पुं. 1. चिंतामणि 2. तामस मनु का पुत्र।

परंतु अव्य. (तत्.) 1. लेकिन, मगर, किंतु 2. किसी पूर्व कथन के विपरीत या उससे भिन्न किसी कथन का बोध कराने वाला एक शब्द। यथा; उसे इतना समझाया परंतु वह भी नहीं माना।

परंद पुं. (फा.) दे. परिंदा।

परंदा पुं. (फा.) 1. एक प्रकार की चिड़िया, पक्षी 2. एक हवादार नाव जो सामान्यतः कश्मीर की विभिन्न झीलों में चलती है।

परंपद पुं. (तत्.) बैकुंठ, मोक्ष, उच्चपद।

परंपर पुं. (तत्.) 1. पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र आदि की परंपरा, क्रम 2. एक के पीछे दूसरा, क्रमानुसार, सिलसिला 3. वंश, संतति 4. मृगमद, कस्तूरी।

परंपरया पुं. (तत्.) परंपरा से, परंपरानुसार, अनुक्रम से, क्रमशः।

परंपरा स्त्री. (तत्.) 1. एक के पीछे एक अर्थात् क्रम से 2. अनुक्रम, पूर्वापर क्रम यथा; वंशपरंपरा शिष्य परंपरा, गुरुपरंपरा आदि 3. संतति, औलाद, वंश की परम्परा 4. चली आ रही रीति या परिपाटी 5. हिंसा, वध 6. नियम या विधान से भिन्न कोई ऐसा कार्य जो बहुत दिनों से एक ही रूप में होता आ रहा हो और सर्वमान्य हो यथा- बड़ों के पाँव छूना हमारे परिवार की परंपरा है।

परंपरागत वि. (तत्.) 1. परम्परा से चला आ रहा ऐसा कार्य या आदर्श जिसे एक के पीछे दूसरा करता या मानता चला आ रहा हो यथा- परम्परागत रीति, परम्परागत मूल्य 2. क्रमागत।

परंपरित वि. (तत्.) 1. परंपरायुक्त, परंपरानुसार, परंपरागत।

परंपरित रूपक पुं. (तत्.) रूपक अलंकार का एक भेद, जिसमें एक आरोप किसी दूसरे आरोप का कारण बनता है।

पर पुं. (फा.) पंख, पक्ष, पक्षियों का डैना मुहा. पर कटना- शक्ति या बल समाप्त हो जाना, कुछ करने योग्य न रह जाना; पर कतरना- पंख काटना; पर निकलना- पंख निकल आना, अर्थात् सीधे-सादे व्यक्ति का चालाक हो जाना या धूर्त